K-623

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-504

नाटक एवं नाट्यशास्त्र भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

1st Semester Examination, 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. नायक के सामान्य गुणों का उल्लेख कीजिए।

2. श्रृंगार रस के भेदों का लक्षण सहित वर्णन कीजिए।

3. धनंजय के अनुसार विभाव, अनुभाव एवं व्यभिचारी भावों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

4. भरतमुनि के रस सम्बन्धी सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

5. निम्न कारिकांशों की व्याख्या कीजिए-

(क) अवस्थानुकृतिर्नाट्यं

(ख) नृत्तं ताललयाश्रयम्।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. परकीया नायिका का वर्णन कीजिए।

2. लोल्लट के रस सम्बन्धी सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

3. अभिनवगुप्त का परिचय दीजिए।

4. आचार्य भरत का नाट्य प्रयोग पर एक निबन्ध लिखिए।

5. नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय पर एक निबन्ध लिखिए।

6. दशरूपकों के नाम लिखिए।

7. विष्कम्भक तथा प्रवेशक में क्या-क्या समानताएँ तथा विषमताएँ हैं?

8. निम्नलिखित कारिकाओं की सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

(क) यौवने सत्त्वजाः स्त्रीणामलंकारास्तु विंशतिः।

(ख) निश्चिन्तो धीरललितः कलासक्तः सुखी मृदुः।

(ग) लुब्धो धीरोद्धतः स्तब्धः पापकृद्व्यसनी रिपुः।